

## उत्तराखण्ड शासन

### चिकित्सा अनुभाग-2

संख्या : 895 /XXVIII-2-2007-102/2007

देहरादून : दिनांक : 01 नवम्बर 2007

### विज्ञप्ति/नियुक्ति

अधोहस्ताक्षरी को यह कहने का निर्देश हुआ है कि उत्तराखण्ड प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा के अन्तर्गत एलोपैथिक चिकित्साधिकारी (पुरुष/महिला) के पदों पर लोक सेवा आयोग, उत्तराखण्ड द्वारा वर्ष 2007-2008 में किये गये चयन के फल:स्वरूप की गई संस्तुति के आधार पर श्रीराज्यपाल महोदय संलग्न सूची में उल्लिखित अभ्यर्थियों को उत्तराखण्ड प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग (साधारण ग्रेड) के अन्तर्गत वेतनमान रू० 8000-275-13500 में चिकित्साधिकारी के पद पर निम्न शर्तों के साथ अस्थाई रूप से नियमित नियुक्त करने की सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं:-


- (1) संबंधित अभ्यर्थी को संलग्न सूची में उनके नाम के सम्मुख स्तम्भ-6 में दर्शाये गये स्थान में तैनात किया जाता है, परन्तु प्रतिबन्ध यह है कि यदि चरित्र एवं पूर्ववृत्त के सत्यापन के पश्चात् उनका चरित्र एवं पूर्ववृत्त सेवा में नियुक्ति हेतु उपयुक्त नहीं पाया जाता है, तो उनकी यह नियुक्ति उत्तराखण्ड अस्थायी सरकारी सेवक (सेवा समाप्ति) नियमावली, 2003 के प्राविधानों के अनुसार निरस्त कर दी जायेगी।
- (2) इन अभ्यर्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण मण्डलीय मेडिकल बोर्ड द्वारा किया जायेगा और उक्त बोर्ड द्वारा स्वस्थ घोषित किये जाने के उपरान्त ही उन्हें कार्यभार ग्रहण कराने दिया जायेगा। अभ्यर्थी अपने नियुक्ति पत्र सहित अपनी तैनाती के मण्डल के अपर निदेशक से सम्पर्क कर स्वास्थ्य परीक्षण हेतु उपस्थित होंगे। अपर मण्डलीय निदेशक द्वारा अभ्यर्थी का स्वास्थ्य प्रमाण पत्र संबंधित अधिकारी को उपलब्ध करा दिया जायेगा, किन्तु मेडिकल बोर्ड द्वारा अस्थाई रूप से अयोग्य घोषित किये गये अभ्यर्थी के मामले स्वास्थ्य परीक्षण कराये जाने हेतु शासन को संदर्भित किया जायेगा।
- (3) नियुक्त अधिकारी का उक्त वेतनमान में वेतन के अतिरिक्त समय-समय पर जारी शासनादेशों के अन्तर्गत अनुमन्य मंहगाई भत्ता तथा अन्य भत्ते भी देय होंगे। उत्तराखण्ड सरकार चिकित्सक (एलोपैथिक) प्राइवेट प्रैक्टिस पर उत्तर प्रदेश निर्वधन नियमावली, 1983 के अन्तर्गत प्राइवेट प्रैक्टिस की अनुमति नहीं होगी और नियमानुसार प्रैक्टिस बन्दी भत्ता देय होगा।
- (4) नवनियुक्त अभ्यर्थी दिनांक 30.11.2007 के पूर्व अपने पद का कार्यभार अवश्य ग्रहण कर लें। इस अवधि के भीतर वे अपने तैनाती के जनपद के मुख्य चिकित्साधिकारी के समक्ष उपस्थित होंगे तथा प्रस्तर-1(6) में अंकित सभी प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करेंगे। यदि वे इस अवधि के भीतर अपनी तैनाती के जनपद में

मुख्य चिकित्साधिकारी को अपनी योगदान की सूचना नहीं देते हैं, तो उनका अभ्यर्थन समाप्त हो जायेगा।

- (5) नियुक्ति स्थान पर कार्यभार ग्रहण हेतु अभ्यर्थी को किसी प्रकार का यात्रा भत्ता आदि देय नहीं होगा।
- (6) अभ्यर्थी को कार्यभार ग्रहण से पूर्व निम्न प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने होंगे:-
- (i) अभियोजन न चलाये जाने तथा न्यायालय द्वारा दण्डित न किये जाने के संबंध में एक घोषणा पत्र (संलग्न प्रारूप में)।
  - (ii) उत्तराखण्ड मेडिकल काउन्सिल द्वारा किये गये स्थायी रजिष्ट्रेशन की दो प्रतियाँ।
  - (iii) ओथ एंजलिजन्स का प्रमाण-पत्र।
  - (iv) गोपनीयता का प्रमाण पत्र।
  - (v) चल तथा अचल सम्पत्ति का प्रमाण-पत्र।
  - (vi) लिखित रूप से एक अन्डरटेकिंग कि यदि चरित्र एवं पूर्ववृत्त के सत्यापन के पश्चात् उन्हें सरकारी सेवा के लिए उपयुक्त नहीं पाया जाता है, तो उनकी यह नियुक्ति निरस्त कर दी जायेगी, जिसके लिए वे किसी क्षतिपूर्ति का हकदार नहीं होंगे।
  - (vii) एक से अधिक जीवित पत्नी न होने का घोषणा पत्र।
  - (viii) मेडिकल बोर्ड द्वारा प्रदत्त स्वस्थता प्रमाण-पत्र।

2- प्रान्तीय चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवा संवर्ग में उक्त अभ्यर्थियों की ज्येष्ठता लोक सेवा आयोग से प्राप्त वरिष्ठता कम के आधार पर सुसंगत नियमों के अनुसार अवधारित की जायेगी।

संलग्नक-यथोपरि

  
(मनीषा पंवार)  
सचिव

संख्या-895 (1)/अट्ठाईस-2-2007-102/2007 तददिनांक

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित:-

- 1- महालेखाकार, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 2- सचिव, लोक सेवा आयोग, उत्तराखण्ड, हरिद्वार को उनके पत्र संख्या: 536/19/डी0 आर0/सेवा-1/2005-06, दिनांक 31 जुलाई, 2007, व सं0 654/19/डी0 आर0/सेवा-1/2005-06, दिनांक 31 सितम्बर, 2007 एवं सं0 784/19/डी0 आर0/सेवा-1/2005-06 दिनांक 24 सितम्बर, 2007 के सन्दर्भ में।
- 3- महानिदेशक, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड, देहरादून।
- 4- जिलाधिकारी तथा पुलिस अधीक्षक, देहरादून (उत्तराखण्ड)/जयपुर (राजस्थान) को इस आशय से प्रेषित कि कृपया संलग्नक में उल्लिखित अपने जनपद के अभ्यर्थियों के चरित्र एवं पूर्ववृत्त का सत्यापन कराकर उत्तराखण्ड शासन को यथाशीघ्र भेजने की व्यवस्था करें।

- 5- मण्डलीय अपर निदेशक, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण गढ़वाल मण्डल, पौड़ी को इस आशय से प्रेषित कि वे कृपया संलग्न सूची में उल्लिखित अभ्यर्थियों के स्वास्थ्य परीक्षण की तत्काल व्यवस्था कराये ताकि कार्यभार ग्रहण करने में अनावश्यक विलम्ब न हो।
- 6- वरिष्ठ कोषाधिकारी/कोषाधिकारी, पौड़ी/देहरादून, उत्तराखण्ड।
- 7- मुख्य चिकित्साधिकारी, पौड़ी/देहरादून, उत्तराखण्ड को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि कृपया अभ्यर्थी की योगदान आख्या स्वीकार करने से पूर्व यह देख लिया जाय कि अभ्यर्थी उत्तराखण्ड मेडिकल काउन्सिल से पंजीकृत है तथा उनके मेडिकल काउन्सिल प्रमाण-पत्र एवं स्नातक/स्नातकोत्तर डिग्री/डिप्लोमा के प्रमाण पत्र का मूल रूप में जांच कर इन प्रमाण पत्रों की दो-दो प्रतियां स्वयं प्रमाणित कर उत्तराखण्ड शासन व महानिदेशक, चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण, उत्तराखण्ड को उपलब्ध करायी जायें।
- 8- सम्बन्धित अभ्यर्थियों को संलग्न सूची के अनुसार पंजीकृत डाक द्वारा।
- 9- गार्ड फाईल/एनओआईसी।

आज्ञा से,

(सुनील श्री पांथरी)  
उप सचिव।



शासनादेश सं० ८१५/XXVIII-2-2007-102/2007, दिनांक ०३.११.०७ का

संलग्नक

क्र० सं०	अभ्यर्थी का नाम	गृह जनपद	स्थायी पता	पत्र व्यवहार का पता	तैनाती स्थान
1.	डा० शरद पाण्डे	अल्मोड़ा	ग्राम-धनौली, पाण्डे भवन, तहसील-अल्मोड़ा, जिला अल्मोड़ा, (उत्तराखण्ड)।	बच्चू अनिल बाल भारती स्कूल, 405-महावीर नगर, टांक रोड, अनिल बाल भारती स्कूल, जयपुर (राजस्थान)।	ई०एम०ओ०, जिला चिकि०, पौड़ी।
2.	डा० अरुणा डबराल	देहरादून	23-24 टी स्टेट, बंजारावाला, देहरादून, (उत्तराखण्ड)।	डा० अरुणा डबराल, 23-24, टी स्टेट, बंजारावाला, देहरादून, (उत्तराखण्ड)।	ई०एम०ओ०, दून महिला चिकि० देहरादून।

१।